International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
An International Quarterly bi-lingual Multidisciplinary Double Blind Open Access Peer Reviewed Refereed Journal
ISSN:2581-9925, Impact Factor (Cosmos: 7.555 & I2OR: 5.105), Volume 08, No. 03(IV)(Special Issue), July-September, 2026, pp. 67-70

झारखंड में महिला उद्यमियों के लिए सहायक पारिस्थितिकी तंत्र की रूपरेखा

Dr. Mukta Rani Oreya*
The Graduate School College for Women (Jamshedpur), Kolhan University.
*Corresponding Author: muktaoreya4@gmail.com

DOI Citation: Oreya, M. (2026). झारखंड में महिला उद्यमियों के लिए सहायक पारिस्थितिकी तंत्र की रूपरेखा. International Journal of Education, Modern Management, Applied Science &Amp; Social Science, 08(03(IV)), 67–70. https://doi.org/10.62823/ijemmasss/8.3(iv).9585

सार

झारखंड में महिलाएं उद्यमिता के क्षेत्र में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सामने आ रही हैं। आर्थिक समाज में महिलाओं की भागीदारी और सम्मानजनक स्थिति को देखते हुए झारखंड की महिलाओं में भी उद्यमी बनने के सपने देखने के साथ–साथ उन्हें साकार करने की ओर अपने कदम धीरे–धीरे ही सही आगे बढ़ा रही हैं। झारखंड में महिला उद्यमियों के रास्ते में आने वाले धन की कमी, लाचार बुनियादी ढांचा, लैंगिक रूढ़िवादिता और अपर्याप्त कौशल जैसे बढ़ाओ को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। झारखंड में महिला उद्यमियों को समर्थन देने वाला सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर उनकी सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए उनकी पूरी प्रतिभा का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए सरकारी तंत्र तथा समाज को आगे बढ़कर वित्तीय समावेशन लैंगिक जागरूकता प्रतिभा को निखारकर बुनियादी ढांचा के विकास पर जोर देना चाहिए। यह अध्ययन झारखंड महिलाओं के उद्यमी बनने की इच्छा को प्रेरित करने वाले कारकों को समझाने पर केंद्रित है। वर्तमान झारखंडी ग्रामीण परिवेश में, उद्यमिता को बेरोजगारी दूर करने, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने और ग्रामीण बेरोजगार लोगों के कौशल को बढ़ाने का एक आशाजनक मार्ग जान माना जाता है। भारत के अन्य राज्यों में उद्यमशीलता गतिविधियों में वृद्धि के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित संसाधन, कम जागरूकता और वित्तीय बढ़ाओ जैसी चुनौतियां बनी हुई है जो झारखंड में विशेषकर महिलाओं को उद्यमशीलता अपने से रुकती है उद्यमिता बेरोजगारी को सकारात्मक रूप से काम करने में सहायक है।

शब्दकोशः *महिला उद्यमिता, आर्थिक समाज, बेरोजगारी, आर्थिक विकास, सरकारी तंत्र।*

प्रस्तावना

सहायक पारिस्थितिकी तंत्र की रूपरेखा

झारखंड में महिलाओं के उद्यमी विकास के लिए व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण आसान शर्तों पर ऋण (माइक्रोफाइनेंस) और नेटवर्किंग सबसे अधिक उपयोगी है। ये साधन महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता और पारिवारिक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करते हैं।

* *Copyright © 2026 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*
* ***A Special Issue for the papers accepted for publication in the Two-Days Multidisciplinary National Seminar on Role of Entrepreneurship in Socio-Economic Upliftment of Women in India(22-23 May 2026) Organized by Faculty of Commerce, The Graduate School College for Women, Jamshedpur, Jharkhand(A Constituent Unit of Kolhan University, Chaibasa, Jharkhand)in Collaboration with Jharkhand State Higher Education Council, Department of Higher and Technical Education, Govt. of Jharkhand & Punjab and Sind Bank, Sakchi, Jamshedpur.***

महिला उद्यमशीलता गतिविधियों को प्रभावित करने वाले कारकों को चार व्यापक श्रेणियां में वर्गीकृत किया जा सकता है जैसे मनोवैज्ञानिक कारक, सामाजिक व सांस्कृतिक कारक, आर्थिक कारक और मानव पूंजी कारक।

आदिवासी महिलाएं जनसंख्या का आधा हिस्सा है और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाओं की स्थिति उनकी आय, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के संदर्भ में देखी जा सकती है। आदिवासी महिलाएं न केवल घर के काम संभालती हैं, बल्कि उत्पादों कृषि निर्माण और उद्योगों में मजदूरी जैसे क्षेत्रों में घर के बाहर भी काम करती हैं। आदिवासी समुदायों में महिलाओं ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ग्रामीण विकास और स्थानीय प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व का एक उदाहरण जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा करने वाले आंदोलन में देखा जा सकता है। महिलाएं समाज में परिवार, समुदाय, अर्थव्यवस्था और नेतृत्व सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, देखभाल करती, शिक्षक, उद्यमी, कार्यकर्ता और निर्णयकर्ता के रूप में अपनी भूमिका के माध्यम से समुदायों के विकास और कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देती है, साथ ही सक्रिय रूप से भाग भी लेती हैं। यह अध्ययन झारखंड में महिला उद्यमियों की इच्छा को प्रेरित करने वाले पारिस्थितिकी तंत्र के कारकों को समझाने पर केंद्रित है। वर्तमान ग्रामीण परिवेश में, विशेष रूप से झारखंड जैसे राज्य में उद्यमिता को बेरोजगारी को दूर करने, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने और ग्रामीण बेरोजगार लोगों के कौशल को बढ़ाने का एक आशाजनक मार्ग माना जाता है।

झारखंड में महिला उद्यमियों पर अध्ययन

उद्यमिता को मात्र व्यावसायिक प्रयासों से कहीं अधिक व्यापक अवधारणा के रूप में देखा जाता है जो न केवल महिलाओं के लिए बल्कि समग्र रूप में समाज के लिए भी मूल्य सृजित करने में सहायक होती है। इस उद्यमशीलता प्रक्रिया में विभिन्न प्रकार की पेशकशों के माध्यम से धन सृजन के नए और विशिष्ट प्रयास करना शामिल है जो पारंपरिक तरीकों से परे है और अक्सर व्यक्तियों की ओर से समय और प्रयासों के पर्याप्त निवेश की मांग करते हैं।

इसके अलावा यह महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न जोखिमों का सामना करने के लिए प्रेरित करती है। ये जोखिम महिलाओं को अपने सपने साकार करने में विशेष कर आर्थिक पुरस्कारों और व्यक्तिगत संतुष्टि के मामले में सहायक होते हैं महिला उद्यमियों के व्यावसायिक प्रयासों से समाज तथा बाजार में रोजगारों का सृजन होता है जिससे रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बाजार में महिला उद्यमियों की उपस्थिति अधिक गतिशील और व्यावसायिक वातावरण को जन्म देती है। जिससे राज्य, समाज और परिवार का समग्र विश्वास होता है, इस प्रकार झारखंड के आर्थिक विकास में महिला उद्यमियों के उद्यमशील गतिविधियों का अत्य[ाधिक महत्वपूर्ण योगदान है। अब झारखंड के ग्रामीण संदर्भ महिला उद्योगों की क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उद्यमिता विशेष रूप से महिलाओं के संदर्भ में चुनौतियों से निपटने के लिए विविध संभावनाएं प्रदान करती हैं और नए अवसरों के द्वार खोलती हैं। विशेष रूप से झारखंड के क्षेत्र में जहां सामाजिक आर्थिक असमानताएं व्यापक है, उद्यमिता ही बेरोजगारी से निपटने, स्थानीय बाजारों को बढ़ावा देने और कौशल विकास को मजबूत करने का एकमात्र संभावित मार्ग है। यह बदलाव झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट है जहां व्यक्तिगत व्यवहार से लेकर संसाधनों की सीमित उपलब्धता की कमी तक कई कारक मिलकर एक संभावनाओं के परिदृश्य का निर्माण करते हैं।

झारखंड में उद्यमिता की पद्धतिः एक विस्तृत अवलोकन और विकासात्मक परिप्रेक्ष्य।

राज्य के समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों और महिलाओं के कौशल विकास पर आधारित एक सुनियोजित प्रक्रिया है। इसमें सरकारी योजनाओं का लाभ, कौशल प्रशिक्षण और स्थानीय संसाधनों का उपयोग शामिल है ।

झारखंड में उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने वाली प्रमुख पद्धतियाँः

- **क्षमता निर्माण और कौशल विकास (skill Development)**
- **प्रशिक्षण कार्यक्रमः** सरकार द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP) चलाए जाते हैं, जो युवाओं को व्यवसाय प्रबंधन, विपणन (उंतामजपदह) और वित्तीय साक्षरता सीखाते हैं ।
- **तकनीकी शिक्षाः** औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITI) और पॉलिटेक्निक के माध्यम से तकनीकी कौशल प्रदान किया जाता है ।
- **स्थानीय संसाधनों का उपयोग (Resource based Approach)**

झारखंड अपनी खनिज संपदा और कृषि के लिए जाना जाता है। पद्धति इन स्थानीय कच्चे मालों पर आधारित होती है। स्थानीय संसाधनों का समुचित उपयोग आत्मनिर्भरता और सतत विकास को बढ़ावा देता है।

- **लाख उद्योगः** लाख उत्पादन में अग्रणी होने के कारण इसके उत्पाद बनाने के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाता है। यह एक पारंपरिक व्यवसाय में से एक है जो लाख कीटों द्वारा स्रावित प्राकृतिक राल के उत्पादन व उससे विभिन्न उत्पादों, जैसे चूड़ियों, वार्निश और रंगों के निर्माण पर आधारित है।
- **हस्तशिल्प और हथकरघाः** स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके यहां की महिलाओं का का आत्मनिर्भरता और सतत विकास को बढ़ावा देता है। **JHARCRAFT** के माध्यम से बस टेराकोटा और तसर रेशम आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जाता है। यह केवल पारंपरिक कला तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं सहित स्थानीय आबादी के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है।
- **खाद्य प्रसंस्करण (Food Processing):** महुआ शहर और स्थानीय फसलों के प्रसंस्करण से जुड़े व्यवसाय। यह स्थानीय फसलों और उत्पादों के प्रसंस्करण पर केंद्रित है, जिससे महिलाओं को अर्थव्यवस्था से जुड़ने का बढ़ावा मिलता है और उनके लिए नित्य नये रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। ये उद्योग विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए उद्यमिता का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके उनका मूल्यवर्धन करता है ।

सरकारी सहायता और वित्त पोषण (Govt- Financial Supports and Welfare Supports)

औद्योगिक नीतिः झारखंड में महिला उद्यमियों के रास्ते में आने वाले धन की कमी, लाचार बुनियादी ढांचा, लैंगिक रूढ़िवादिता और अपर्याप्त कौशल जैसे बढ़ाओ को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।" इसलिए, एक प्रभावी औद्योगिक नीति इन बाधाओं को दूर करने और महिला उद्यमियों के लिए एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर केंद्रित होगी। महिला उद्यमियों के लिए एक प्रभावी औद्योगिक नीति इन बाधाओं को दूर करने और एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर केंद्रित होगी। झारखंड औद्योगिक और निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत उद्यमियों को पूंजी निवेश पर सब्सिडी और कर में छूट प्रदान की जाती है ।

- **ऋण और अनुदानः** मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसे माध्यमों से आसान किस्तों पर लोन और अनुदान उपलब्ध कराए जाते हैं। अन्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे अनुदान योजना जैसे मैया सम्मान योजना महिला स्वावलंबी लघु उद्योग योजनाओं की राशियों से महिलाएं स्वावलंबी बन रही है ।

अवसंरचना और विपणन (Infrastructure and marketing)

औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरणः राज्य में **RIADA, AIADA, BIADA** और **DIADA** जैसे प्राधिकरण उद्यमियों को सस्ती दरों पर जमीन और मूलभूत सुविधाएं प्रदान करते हैं ।

- **मंच (Plateform):** ई–कॉमर्स और मेलों के माध्यम से उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की सुविधा है।

इन उद्योगों को बढ़ावा देने से स्थानीय महिलाओं का कौशल विकास होता है और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी किया जा सकता है।

संक्षेप में, औद्योगिक नीति महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर समाज में समान रूप से लाभान्वित करती है, जिससे उन्हें राज्य के आर्थिक विकास में योगदान देने का अवसर प्राप्त होता है।

निष्कर्ष

भारत और राज्य सरकारों ने रोजगार के अवसर पैदा करने पर केंद्रित कई पहल शुरू की हैं ; जैसे– राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम आदि। यदि कोई महिला झारखंड में अपना व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रही है तो उसे निम्नलिखित चरणों का पालन करना चाहिए :

- प्रथम : झारखंड उद्योग विभाग की वेबसाइट पर जाए और नीतियों को समझें
- द्वितीय : अपने जिले के जिला उद्योग केंद्र (DIC) से संपर्क करें
- तृतीय : मुद्रा लोन या राज्य स्तरीय योजनाओं के लिए जन समर्थन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है

यदि कोई महिला उद्यान में जनता की योजना बना रहे हैं तो उनके उनको सबसे पहले अपने बिजनेस आइडिया पर काम करने के लिए तथा यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उत्पादन या सेवा क्षेत्र में उनकी रुचि आवश्य हों।

उनको अपने अनुमानित बजट या निवेश सीमा का भी आकलन हुआ विश्लेषण कर लेना आवश्यक होगा।

References

1. Jain, S & Singh (2021) *Role of women entrepreneurs in social and economic development of Jharkhand* 8 (8), PP, 101-112
2. Ekka, Beni A, (2003), *Empowerment of unprivileged through management and technical education* Jharkhand perspective Vol 1 (2) PP, 16–20.
3. कुमार, आर (2024) *झारखंड में महिला उद्यमिता: चुनौतियां और अवसर* रांची विश्वविद्यालय प्रकाशन
4. Jharkhand state livelihood promotion society (JSLPS) (2025) *Annual report on women lead micro enterprises* Ranchi Government of Jharkhand
5. Government of Jharkhand (2024), Mukhyamantri Maiya Samman Yojana Guidelines - Department of women, child development and social security, Jharkhand
6. Ministry of women and child development (2023). Annual report 2022-23, Government of India
7. Jharkhand state livelihood promotion society (JSLPS) (2023) Role of self help group in women empowerment in Jharkhand Ranchi: JSLPS publication.

❑❑❑